

**B.A. (Part-II) Semester-IV Examination****(Optional Subject)****INDIAN MUSIC (Theory)****(Vocal and Instrumental)**

Time : Three Hours]

[Maximum Marks : 50

**Note :—** Solve all the **FIVE** questions.

1. Write the notation of the following as prescribed in the syllabus : 10

(A) Bandish of Vilambit Khyal or Maseetkhani Gat in any Raga.

(B) Drut Khyal of any Raga belongs to Kafi That or Rajakhani Gat.

**OR**

(C) The Sthayee of Dhrupad and its Dugun in any Raga or Maseetkhani Gat.

(D) Drut Khyal of any Raga belongs to Kalyan That or Rajakhani Gat from the Syllabus.

2. (A) Write the description of the following Aroh-Avroh and Pakad by identifying their Ragas from the given swars as prescribed in the syllabus : 10

(i) Sa Ṇi Dha Ṇi Sa, Ma Dha Ṇi Dha Ma Ga Re Sa

(ii) Sa Ma, Ma Pa, Dha Pa, Ma (Pa) Ma, Re Sa.

**OR**

(B) Write the contribution of musicians Dr. N. Rajam.

3. (A) Write the information about the following Talas in Layakari as mention : 10

(i) Trital—Chaugun

(ii) Sultal—Thai Lay

(iii) Keharwa—Chaugun

(iv) Dadra—Dugun.

**OR**

(B) Write about the instrument Pakhawaj with diagram.

4. (A) Describe the Dhrupad and Gazal musical forms in detail. 10

**OR**

(B) Write the history of music from Mughal to Modern Era.

5. Choose the correct alternative :

10

- (1) Sa Ga, Ma Dha Ni Sa are the swar of \_\_\_\_\_ Raag.  
(i) Kedar (ii) Bhimplasi  
(iii) Bageshri (iv) All of them
- (2) \_\_\_\_\_ swar is known as Adhwadarshak swar.  
(i) Shadi (ii) Rishabh  
(iii) Gandhar (iv) Madham
- (3) The composition played on Tabala are ended with :  
(i) Bhairavi (ii) Thumari  
(iii) Tihai (iv) None of these
- (4) Sitar is the modified form of \_\_\_\_\_ instrument.  
(i) Veena (ii) Tanpura  
(iii) Sarod (iv) None of these
- (5) Chougun of Trital is assigned set to \_\_\_\_\_ matra.  
(i) 4 (ii) 2  
(iii) 8 (iv) None of these
- (6) In ancient times \_\_\_\_\_ instrument was denoted as Pushkar.  
(i) Duf (ii) Mrudang  
(iii) Harmonium (iv) None of these
- (7) \_\_\_\_\_ is one of the famous and classical instrument in modern era.  
(i) Tabla (ii) Tanpura  
(iii) Sitar (iv) None of these
- (8) The Raga which indicates the next thata from previous thata is called :  
(i) Sandhiprakas Raga (ii) Parmelpraveshak  
(iii) Chayalag (iv) None of these
- (9) Pt. Ramashray Jha was born in :  
(i) Gujarat (ii) Bengal  
(iii) Maharashtra (iv) Mithila
- (10) The Raga which are sung at the time sunrise and sunset is called :  
(i) Sandhiprakash Raga (ii) Parmelpraveshak  
(iii) Janak Raga (iv) All of these

**B.A. (Part-II) Semester-IV Examination****(Optional Subject)****INDIAN MUSIC (Theory)****(Vocal and Instrumental)**

Time : Three Hours]

[Maximum Marks : 50

**(मराठी माध्यम)**

सूचना :— सर्व पाचही प्रश्न सोडवा.

1. अभ्यासक्रमातील खालील गीतप्रकार स्वरलिपीबद्ध करा : 10

(अ) कोणत्याही रागामध्ये विलंबीत ख्यालाची बंदिश किंवा मसीतखानी गत.

(ब) काफ़ी थाटातील रागाचा द्रुत ख्याल किंवा रजाखानी गत.

किंवा

(क) कोणत्याही रागातील धृपदाची स्थायी व त्याची दुगुण किंवा मसीतखानी गत.

(ड) अभ्यासक्रमातील कल्याण थाटातील रागाचा द्रुत ख्याल किंवा रजाखानी गत.

2. (अ) अभ्यासक्रमातील खालील स्वर समुहावरून राग ओळखून त्याची शास्त्रीय माहिती आरोह-अवरोह, पकडसह लिहा : 10

(i) सा नि ध नि सा, म ध नि ध म ग रे सा

(ii) सा म, म प, ध प, म (प) म, रे सा.

किंवा

(ब) डॉ. एन राजम यांचे शास्त्रीय संगीतास योगदान विशद करा.

3. (अ) खालील ताल शास्त्रीय माहितीसह निर्देशित लयीत लिहा : 10

(i) त्रिताल—चौगुण

(ii) सुलताल—ठाय लय

(iii) केहरवा—चौगुण

(iv) दादरा—दुगुण.

किंवा

(ब) पखावज वाद्याचा आकृतिसह परिचय द्या.

4. (अ) धृपद व गझल या गीतप्रकारची विस्तृत माहिती द्या. 10

किंवा

(ब) मोगल ते आधुनिक कालखंडातील संगीताचा इतिहास लिहा.

- (1) सा ग, म ध नि सां हे \_\_\_\_\_ रागाचे स्वर आहेत.
- (i) केदार (ii) भिमपलासी  
(iii) बागेश्री (iv) यापैकी सर्व
- (2) अध्वदर्शक स्वर \_\_\_\_\_ स्वराला म्हणतात.
- (i) षड्ज (ii) रिषभ  
(iii) गंधार (iv) मध्यम
- (3) तबल्यावर वाजविल्या गेलेल्या रचनांची समाप्ती \_\_\_\_\_ ने केली जाते.
- (i) भैरवी (ii) ठुमरी  
(iii) तिहाई (iv) यापैकी नाही
- (4) सितार हे \_\_\_\_\_ वाद्याचे परिवर्तित रूप आहे.
- (i) विणा (ii) तानपुरा  
(iii) सरोद (iv) यापैकी नाही
- (5) त्रितालाची चौगून \_\_\_\_\_ मात्रे मध्ये होते.
- (i) 4 (ii) 2  
(iii) 8 (iv) यापैकी नाही
- (6) प्राचिन काळात \_\_\_\_\_ या वाद्याला पुष्कर ही संज्ञा दिली आहे.
- (i) डफ (ii) मृदंग  
(iii) हार्मोनियम (iv) यापैकी नाही
- (7) आधुनिक काळात सर्वाधिक प्रसिद्ध शास्त्रीय वाद्य \_\_\_\_\_ होय.
- (i) तबला (ii) तानपुरा  
(iii) सितार (iv) यापैकी नाही
- (8) एका थाटातून दुसऱ्या थाटामध्ये प्रवेश करणाऱ्या रागाला \_\_\_\_\_ म्हणतात.
- (i) संधीप्रकाश राग (ii) परमेलप्रवेशक राग  
(iii) छायालग राग (iv) यापैकी नाही
- (9) पं. रामाश्रय झा यांचा जन्म \_\_\_\_\_ येथे झाला.
- (i) गुजरात (ii) बंगाल  
(iii) महाराष्ट्र (iv) मिथिला
- (10) सुर्योदय व सूर्यास्ताच्यावेळी गायल्या जाणाऱ्या रागांना \_\_\_\_\_ म्हणतात.
- (i) संधीप्रकाश राग (ii) परमेलप्रवेशक  
(iii) जनक राग (iv) यापैकी सर्व

**B.A. (Part-II) Semester-IV Examination****(Optional Subject)****INDIAN MUSIC (Theory)****(Vocal and Instrumental)**

Time : [Three Hours]

[Maximum Marks : 50]

**(हिन्दी माध्यम)**

सूचना :— सभी पांच प्रश्न हल कीजिये।

1. पाठ्यक्रम के निम्नलिखित गीतप्रकार स्वरलिपीबद्ध कीजिये : 10

(अ) किसी भी राग में विलंबीत ख्याल की बंदिश अथवा मसीतखानी गत।

(ब) काफी थाट के राग का द्रुत ख्याल अथवा रजाखानी गत।

**अथवा**

(क) किसी भी राग में धृपद की स्थायी दुगुन के साथ अथवा मसीतखानी गत।

(ड) पाठ्यक्रम के कल्याण थाट के राग का द्रुत ख्याल अथवा रजाखानी गत।

2. (अ) पाठ्यक्रम के निम्नलिखित स्वर समूह से राग पहचान कर उसकी शास्त्रीय जानकारी, आरोह-अवरोह, पकड़ के साथ लिखिये : 10

(i) सा नि ध नि सा, म ध नि ध म गु रे सा

(ii) सा म, म प, ध प, म (प) म, रे सा।

**अथवा**

(ब) डॉ. एन राजम का शास्त्रीय संगीत में योगदान लिखिये।

3. (अ) निम्नलिखित तालों को निर्देशित लय में लिखिये : 10

(i) त्रिताल—चौगुन

(ii) सुलताल—ठाय लय

(iii) केहरवा—चौगुन

(iv) दादरा—दुगुन।

**अथवा**

(ब) पखावज वाद्य का आकृति के साथ परिचय दीजिये।

4. (अ) धृपद एवं गजल गीतप्रकार की जानकारी विस्तार से दीजिये। 10

**अथवा**

(ब) मुगल से आधुनिक कालखंड तक संगीत का इतिहास लिखिये।

- (1) सा ग, म ध नि सां यह \_\_\_\_\_ राग के स्वर हैं।  
 (i) केदार (ii) भिमपलासी  
 (iii) बागेश्री (iv) इनमें से सभी
- (2) अध्वदर्शक स्वर \_\_\_\_\_ स्वर को कहते हैं।  
 (i) षड्ज (ii) रिषभ  
 (iii) गंधार (iv) मध्यम
- (3) तबले पर बजायी जाने वाली रचनाओं की समाप्ति \_\_\_\_\_ से की जाती है।  
 (i) भैरवी (ii) ठुमरी  
 (iii) तिहाई (iv) इनमें से कोई नहीं
- (4) सितार यह \_\_\_\_\_ वाद्य का परिवर्तित रूप है।  
 (i) वीणा (ii) तानपुरा  
 (iii) सरोद (iv) इनमें से कोई नहीं
- (5) त्रिताल की चौगुन \_\_\_\_\_ मात्राओं में होती है।  
 (i) 4 (ii) 2  
 (iii) 8 (iv) इनमें से कोई नहीं
- (6) प्राचीन काल में \_\_\_\_\_ वाद्य को पुष्कर की संज्ञा दी गई है।  
 (i) डफ (ii) मृदंग  
 (iii) हार्मोनियम (iv) इनमें से कोई नहीं
- (7) आधुनिक काल में अधिक प्रसिद्ध शास्त्रीय वाद्य \_\_\_\_\_ है।  
 (i) तबला (ii) तानपुरा  
 (iii) सितार (iv) इनमें से कोई नहीं
- (8) एक थाट से दूसरे थाट में प्रवेश करनेवाले राग को \_\_\_\_\_ कहते हैं।  
 (i) संधीप्रकाश राग (ii) परमेलप्रवेशक राग  
 (iii) छायालग राग (iv) इनमें से कोई नहीं
- (9) पं. रामाश्रय झा इनका जन्म \_\_\_\_\_ में हुआ।  
 (i) गुजरात (ii) बंगाल  
 (iii) महाराष्ट्र (iv) मिथिला
- (10) सूर्योदय और सूर्यास्त के समय गाये जाने वाले राग को \_\_\_\_\_ कहते हैं।  
 (i) संधीप्रकाश राग (ii) परमेलप्रवेशक  
 (iii) जनक राग (iv) इनमें से सभी